दादा जी

गाडी की आवाज सुनिकै गेदहरा घर से बाहेर निकरि आये . दादा आइगे – दादा आइगे सब चिल्लाय लागे .

बच्चा लोग – प्रणाम दादा जी

दादाजी – खुश रहौ बच्चा

गोलू-कउन -कउन बिरवा लाये हौ दादा जी .

दादा जी –आम ,नीम ,जामुन औ कटहर कै बिरवा लाये हन ,गोलू .

नीलू –हम सब मिलिकै बिरवा लगैबै.

दादा – हाँ, सब जने लगायेव

गोलू –ई बिरवन पै तौ बहुत दिन बाद फल अइहैं दादा जी .

आज जउन बिरवन कै फल हम खाईत है, वहू बिरवा कोई न कोई लगाईस होई .

सब बच्चे –हाँहम ई सब बिरवन का रोज पानी देब खूब देखभाल करबै .

दादा जी- साबाश हमार पुतवा .

शब्दार्थ

गेदहरा -बच्चे **निकरि**-निकले
कउन-कौन -**बिरवा** -पेड़
लगैबै - कटहर- **वहू**-वह
जउन-जो **अइहैं**-आयगे
लगायिस-लगाया **हुइहै**-होगा

अभ्यास

- अपने आस पास के 5 बिरवन के नाम बताऊ ?
- बिरवा हमरे कौने कौने काम आवत ह ैं?
- बिरवा लगावै के समय कौन कौन बातन कै ध्यान राखै का चाही ?
- **सही शब्द चुनौ औ पूर करौ ---**
- गड़हा मा बिरवा .....लगावै का चाही .(टेढ़वा /सीध)
- बिरवा कै देखभाल करब .....है (जरूरी /जरूरी नाहीं)
- हर काम खाली अपने खत्तिर ..... का चही (करै /ना करै)

- **चित्र का देख कै बताऊ –**

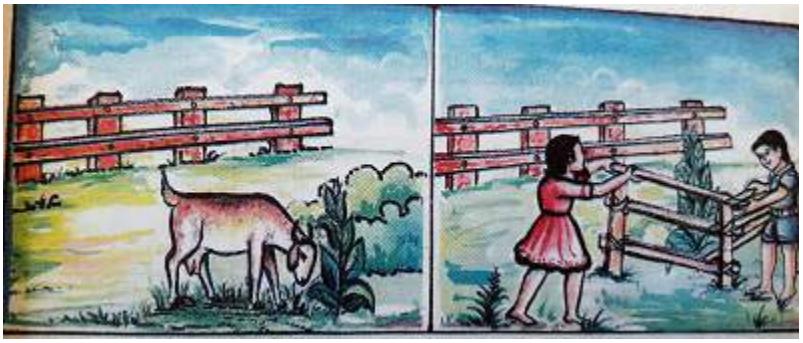

- बच्चा का करत हैं?
- यू काम बच्चा लोग काहे करत हैं?